शेर का पुनः शिकार-1

“लेखक : मुकेश कुमार आपने अन्तर्वासना पर मेरी कहानी ‘लिव इन कैरोल’ पढ़ी और सराही उसके लिए आभार। मेरे और मेरे लिव-इन पार्टनर कैरोल के साथ सम्बन्ध विच्छेद के बाद कुछ समय मैं अपने माँ बाप के पास रहा, पर नौकरी मुंबई में थी तो आना ही पड़ा।

कैरोल के गम में दारु और सिगरेट […] …”

Story By: (mkuukmeasrh)
Posted: Friday, January 27th, 2012
Categories: पड़ोसी
Online version: शेर का पुनः शिकार-1

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

शेर का पुनः शिकार-1

लेखक : मुकेश कुमार

आपने अन्तर्वासना पर मेरी कहानी 'लिव इन कैरोल' पढ़ी और सराही उसके लिए आभार।

मेरे और मेरे लिव-इन पार्टनर कैरोल के साथ सम्बन्ध विच्छेद के बाद कुछ समय मैं अपने माँ बाप के पास रहा, पर नौकरी मुंबई में थी तो आना ही पड़ा।

कैरोल के गम में दारु और सिगरेट मेरे यार हो गए।

कई बार सूसन (कैरोल की फ्रेंड) का फ़ोन आता, मिलने को बुलाती पर मैं टाल देता। वैसे भी सूसन से तो एक शाम ही मिला था, उसमें भी कैरोल और मारिया (कैरोल की एक और फ्रेंड जिसे मैंने कैरोल से पहले चोदा था) साथ थी। बहरहाल जैसे बन्दर गुलाटी मारना नहीं छोड़ता, चोदू भी कितने दिन बिना चोदे रह सकता था।

एक शनिवार सुबह जल्दी आँख खुल गई तो सर चकरा रहा था। रात को ज्यादा पी ली और खाना भी नहीं खाया था तो कुछ खाने के लिए बाहर जा ही रहा था कि देखा, पड़ोसन दूध ले रही है।

औरतों का समझ नहीं आता, जब पतीला ज़मीन पर रखा है तो दूध वाला डाल देगा, लेकिन नहीं !उस पर झुकी रहेंगी और अपने चूचों के दर्शन कराती रहेंगी, और उस पर दूध वाले को भैया भैया कहती है।

मेरी पड़ोसन भी उसी पोज़ में थी, जब तक दूध वाला चला नहीं गया मैं पड़ोसन, उसका नाम शर्मीला है, के ही देखता रहा। फिर वो भी अन्दर जाने के लिए के लिए उठी, मैं भी

जाने के लिए मुड़ा लेकिन चक्कर खाकर गिर पड़ा।

शर्मीला ने दूध का बर्तन अन्दर रखा और मुझे उठाने के लिए आई।

“क्या हुआ ?” भाभी बोली और झुक कर मेरे कंधे पर हाथ रखा।

झुकने के साथ ही मम्मों का गलियारा दिखने लगा।

“रात को बिना खाए सो गया था, इसलिए चक्कर आ गए और सर भी दु:ख रहा है एस्प्रिन लेने से पहले कुछ नाश्ता कर लूँ, इसलिए बाहर जा रहा हूँ !” मैं बोला।

“चलो !” कह कर शर्मीला ने सहारा दे कर उठाया और अपने घर ले गई। पहले मैं सकुचाया पर भाभी की पकड़ से छुट नहीं सका और उनके घर में सोफे पर बैठ गया।

शर्मीला ने दूध का बर्तन लिया और रसोई से पानी लाई- बोलना तो नहीं चहिये लेकिन इतना क्यूँ पीते हो ? लड़की गई तो क्या हुआ, जवान हो, और मिल जाएगी, कौन सी शादी हुई थी !

शर्मीला के मुँह से यह सुन कर दंग रहा गया।, अन्दर झाँकने लगा कहीं उसके पति न आ जायें।

“कोई नहीं है, पतिदेव बाहर गए हैं, रविवार शाम को आयेंगे !” भाभी ने कहा।

“आपको कैसे मालूम कि वो बीवी नहीं थी ?” मैंने पूछा।

“सब मालूम है मुझे !” कह कर यह नहीं बताया कि कैसे।

“बहुत प्यार करता था, मेरा मतलब है करता हूँ !” मैंने कहा।

“वो तो पता है, तुम्हारे प्यार की आवाज़ें यहाँ तक सुनाई देती थी !” शर्मीला ने कहा और आँख मारते हुए मुस्कुरा दी।

फिर उठी और चाय नाश्ता बनाने लगी। खा पीकर बेहतर महसूस कर रहा था। तभी हिम्मत कर पूछ लिया- क्या सुनाई देता था ?

शर्मीला मुस्कुराई और बोली- कैरोल की मीठी सिसकारियाँ, चिल्लाना, चीखना, मचलना, सब। तुम कामक्रीड़ा में यह भूल गए कि तुम्हारा बाथरूम हमारे बाथरूम से सटा है, इसलिए बाथरूम से तो चुम्बन और… भी सुनाई देता था।

चुदाई के लिए कामक्रीड़ा सुन कर अच्छा लगा पर शर्मीला भाभी कैरोल को नाम से जानती थी, यह नहीं पता था।

“तो आप उत्तेजित नहीं होती थी ? और मैंने तो कभी आपकी और भाई साब की आवाज़ नहीं सुनी ?, कैरोल के जाने बाद भी नहीं !” मैंने भी आज़ादी ली और पूछ लिया।

यह सुन शर्मीला फूट कर रो पड़ी। मुझे सांप सूंघ गया जैसे शायद कुछ गलत बोल दिया। कहीं बवाल ना कर दे। फिर हिम्मत कर माफ़ी मांगते हुए खड़ा हुआ।

शर्मीला ने झट से हाथ पकड़ कर एकदम सटा कर बिठा दिया और कहा- इन्हें स्तम्भन दोष है। यह कहानी आप अन्तर्वासना.कॉम पर पढ़ रहे हैं।

और फिर मेरे सीने पर सर रख कर रोने लगी। मैंने हल्के बाहुपाश में जकड़ते हुए कहा- इसका मतलब ?

शर्मीला लजा कर कान में फुसफुसाई- इनका खड़ा नहीं होता है और मैं प्यासी रह जाती हूँ।

मैं कुछ महीनों का प्यासा मर्द, बाँहों में प्यासी औरत राम ने ही मिलाई हमारी जोड़ी जैसे !

जब शर्मीला रोकर थोड़ी चुप हुई तो मैं बोला- रो मत, मैं हूँ ना !

यह तो तय था कि शर्मीला चुदना चाहती थी इसलिए जैसे ही मौका मिला, लपक लिया और मुझे घूमा कर बोलने की ज़रुरत नहीं थी। शर्मीला की बाहें पकड़ कर अलग किया फिर एक जोरदार चुम्बन होटों पर दिया। 10 मिनट हम एक दूसरे के होटों को चूसते रहे।

मैंने शर्मीला को सोफे पर लिटा दिया और साड़ी हटा कर ब्लाउज के ऊपर ही मम्मे चूसने लगा।

शर्मीला मेरे टी-शर्ट को फाड़ने की कोशिश कर रही थी तो मैंने निकाल दिया और शॉर्ट्स भी नीचे कर दिए। कैरोल के जाने के बाद आज फिर लौड़ा जागा। शर्मीला ने अपना ब्लाउज और ब्रा का हुक खोल अपने बोबे आज़ाद किये। मैं शर्मीला के मुँह के पास आ गया तो उसने मेरे खड़े शेर को लॉलीपोप की तरह चूसना शुरू कर दिया। मैंने बाएं हाथ से उसके मम्मों का मर्दन शुरू किया और दायें से उसकी एक टांग उठा कर सोफे के बैक-रेस्ट के ऊपर रख जांघों पर फेरने लगा।

शर्मीला की चूत गीली होने लगी। तो एक हाथ से ही उसकी पैंटी खींच, झांटों के भीतर बीच की दो उँगलियाँ चूत में घुसा दी।

“आहिस्ता राजा…” शर्मीला बोली।

कैरोल के छोड़ने के बाद आज बहुत दिन बाद सेक्स कर रहा था। शायद कैरोल का गुस्सा भी था, मैं बेरहमी से शर्मीला की चूत में उंगली कर रहा था। पर पति से प्यार न मिलने के कारण उसे भी मज़ा आ रहा था। शर्मीला भाभी स्खलित हो गई। मेरा हाथ उसके रस से सराबोर हो गया। मैंने हाथ निकाला और उसके मुँह में दे दिया। शर्मीला ने मेरे लंड हो हाथों से मसलती रही तो मेरी पिचकारी चल गई। कई दिन का माल शर्मीला के चहरे और

बोबों पर पड़ा था पर लग रहा था उसकी प्यास नहीं बुझी थी।

मेरा लौड़ा पकड़ते हुए बोली- जो काम इसका है उंगली नहीं कर सकती।

तभी दरवाजे पर घंटी बजी, हम दोनों सकपका गए। तभी बाहर से बाई की आवाज़ आई- भाभी…!

तो शर्मीला बोली- मेरे बेडरूम में चले जाओ, उसे बर्तन करने बोलती हूँ तो पीछे से निकल जाना।

औरतों की यह और एक बात समझ नहीं आती, चूत में आग लगी है लेकिन बाई को ना नहीं बोल सकती। बहरहाल, अपने कपड़े उठाये मैं बेडरूम में गया। शर्मीला भाभी ने सिर्फ ब्लाउज पहना ब्रा पेंटी मुझे अन्दर ले जाने बोल, चेहरे पर लगे माल को क्रीम की तरह मल दिया।

बाई को काम बता कर रूम में आई बोली- मेरे यहाँ काम कर तुम्हारे घर आयगी, इसके जाने के बाद तुम आ जाना, खाना बना कर रखूंगी, रररराजा !” और मुझे चूमने लगी।

उनके चेहरे से मेरे वीर्य की महक आ रही थी।

“अब तुम जाओ !”

कहानी जारी रहेगी।

हैप्पी चोदिंग…

मुकेश कुमार

Other stories you may be interested in

देसी भाभी का वासना भरा प्यार

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम मुकेश कुमार है. मैं 28 वर्ष का 5 फुट 6 इंच का सामान्य कद काठी का दिल्ली का रहने वाला आदमी हूँ. मेरे लिंग का आकार मैंने कभी मापा तो नहीं, पर लगभग साढ़े छह इंच […]
Full Story >>>

नयी पड़ोसन और उसकी कमसिन बेटियां-4

अभी तक आपने पढ़ा कि लखनऊ के होटल के कमरे में पहली बार चुदने वाली डॉली उसके बाद मेरे घर पर और फिर अपने घर पर चुदाई का आनन्द ले चुकी थी. अब आगे : इतवार का दिन था, सुबह के […]
Full Story >>>

चुदासी पड़ोसन भाभी को केक लगे लंड से ठोका

मेरा नाम दलजीत है. मैं दिल्ली का रहने वाला हूँ. मेरी उम्र 28 साल है और अच्छी सेहत के साथ-साथ 6 इंच लम्बे और 2 इंच मोटे लंड का मालिक हूँ। यह मेरी सच्ची कहानी है जो 2 साल पहले […]
Full Story >>>

मेरी कमसिन जवानी के धमाके-1

दोस्तो, मेरा नाम नीतू है, मेरे परिवार में सिर्फ माँ पापा और छोटा भाई हैं. पापा सरकारी नौकरी में हैं, इसलिए उनका हमेशा ट्रांसफर होता रहता है. हमारा बचपन ज्यादातर गांव में ही गुजरा, पर मेरे दसवीं के एग्जाम के […]
Full Story >>>

पड़ोसन भाभी और मेरी वासना का परिणाम

“आज रांची में बहुत ठंड है यार … हां भाई गर्म होते हैं … चल सुट्टा मारते हैं.” “ठीक है चल.” “अरे मोहन भैया, दो चाय देना और दो क्लासिक देना.” “अब चल भाई शाम के 6 बज गए, घर […]
Full Story >>>